NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 2
Chapter Name : स्मृति

Q1 भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में किस बात का डर था?
Answer.
भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में बेर खाने के अपराध में पिटाई का डर था।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q2 मक्खनपुर पढ़ने जाने वाली बच्चों की टोली रास्ते में पड़ने वाले कुएँ में ढेला क्यों फेंकती थी ?
Answer.
स्कूल के रास्ते में पड़ने वाले कुएँ में एक भंयकर जहरीला साँप रहता था। जिसकी फुंकार को सुनने के लिए तथा उसे तंग करने के लिए बच्चे कुएँ में ढेला फेंकते थे।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q3 'साँप ने फुंकार मारी या नही, ढेला उसके लगा या नहीं, यह बात अब तक स्मरण नहीं'- यह कथन लेखक की किस मनोदशा को स्पष्ट करता है।
Answer.
जब लेखक साँप को देखने के लिए कुएँ में झुका तो उसकी टोपी में से सारी चिट्ठियाँ कुएँ में गिर गई थीं जिसके कारण वह बहुत डर गया था। लेखक अपने भाई की फटकार और पिटाई से डरता था। इसलिए उपयुक्त कथन यह दर्शाता है कि लेखक इतना डर गया था कि उसे कुछ याद नहीं रहा।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q4 किन कारणों से लेखक ने चिट्ठियों को कुएँ से निकालने का निर्णय लिया ?
Answer.
लेखक ने कुएँ मे से चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय लिया क्योंकि ये चिट्ठियाँ बहुत ही जरूरी थी जो लेखक के बड़े भाई ने उसे डाक खाने में डालने के लिए दी थीं। लेखक अपने बड़े भाई से बहुत डरता था इसलिए लेखक को पिटाई का डर था। वह अपने बड़े भाई से झूठ भी नहीं बोल सकता था। उनके डंडे की मार का ख्याल आते ही वह काँपने लगाता था। इसलिए लेखक ने चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय लिया।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q5 साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने क्या -क्या युक्तियाँ अपनाई?
Answer.

aglasem.com

साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने बहुत सी युक्तियां की जैसे लेखक साँप के पास पड़ी चिट्ठियों को डंडे से सरकाना चाहा मगर साँप फूंकार कर आया और साँप ने स्थान बदल लिया जिस से लेखक को चिट्ठियाँ उठानी आसान हो गई। जब लेखक के हाथ से डंडा गिर गया तो लेखक ने साँप पर मिट्टी फैंकी जिस से साँप का ध्यान भटका और लेखक ने झट से डंडा उठा लिया। दोनों के बीच डंडा आ जाने से साँप लेखक को नहीं डस पाया। इस तरह लेखक चिट्ठियाँ उठाने में सफल रहा।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q6 कुएँ में उतर कर चिट्ठियों को निकालने संबंधी साहसिक वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए ?
Answer.
जो चिट्ठियाँ लेखक के बड़े भाई ने लेखक को डाकखाने में डालने के लिए दी थी वह कुएँ में गिर गई थीं उनको निकालना जरूरी था नहीं तो घर पर जाकर पिटाई होती। इसी डर से लेखक ने उन्हें कुएँ से निकालने का निर्णय लिया। वह अपनी और अपने भाई की धोती और चार - पाँच कपड़े जोड़कर नीचे उतरा मगर साँप से 4-5 गज ऊपर रहा उसके ठीक नीचे साँप फन फैलाए बैठा था। रस्सी से लटककर भी साँप को मारा नही जा सकता था और डंडा घुमाने की जगह भी नही थी। जब लेखक ने डंडे से चिट्ठियाँ सरकाई तो साँप डंड़े से लिपट गया जिस कारण डंडा उसके हाथ से छूट गया, पैर दीवार से हटते ही वह धोती से लटक गया , लेखक ने मिट्टी साँप के फन पर फेंकी साँप का ध्यान बँटते ही लेखक ने चिट्ठियाँ उठा ली।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q7 इस पाठ को पढ़ने के बाद किन- किन सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है ?
Answer.
शरारते करते हुए स्कूल जाना और कुएँ में पत्थर फेंकना और जानवरों को तंग करके मजा लेना, अपने आप को बहादुर और होशियार समझना, बगीचों और खेतों मे जाकर शरारतें करनी, बेरी के ऊपर चढ़कर बेर तोड़कर खाना।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q8 'मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी-कभी मिथ्या और उल्टी निकलती है'- का आशय स्पष्ट कीजिए ।
Answer.
कल्पना और वास्तविकता में अंतर होता है। इसलिए जो मनुष्य चाहता है वो नहीं होता। कोई भी इंसान समय और परिस्थियों के अनुसार योजनाएँ बनाता है और उसी के अनुसार काम करता है। परंतु वह योजना उल्टी पड़ जाती है जो प्रतिकूल रिजल्ट दे सकती है अर्थात मनुष्य जो चाहता है वह नहीं हो पाता जैसा कि लेखक के साथ साँप का सामना करते समय हुआ।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

aglasem.com

Q9 'फल तो किसी दूसरी शक्ति पर निर्भर है'- पाठ के संदर्भ में इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
Answer.
हमें केवल कर्म करना चाहिए और फल की चिंता भगवान पर छोड़ देनी चाहिए। परन्तु यह भी सत्य है कि दृढ़ निश्चय करके काम करने वाले की हमेशा ही जीत होती है। यही सोचकर लेखक कुएँ में उतरा था कि या तो साँप उसे काट लेगा या वह पत्र उठाने में कामयाब हो जायेगा। अतः भयंकर परिणाम की चिंता किए बिना ही वह कुएँ में उतर गया और अपने उद्देश्य में सफल होकर लौटा ।

Page : 17 , Block Name : बोध-प्रश्न

aglasem.com